Email - sonekikalam@gmail.com

आर.एन.आई. रजि. नं. 52089

सोने की कलम

प्रधान सम्पादक – चेतन गन्धे , 9893157809

www.sonekikalamnews.com

वर्ष - 34 अंक - 7 (साप्ताहिक, प्रत्येक गुरुवार) इन्दौर, 27 मार्च 2025 से 2 अप्रैल 2025 मूल्य 1 रुपये पृष्ठ 4

पीएम आवास योजना का लाभ गांव-गांव तक पहुंचाने 31 मार्च तक पूर्ण करें सर्वे कार्य

पक्का आवास पाने से कोई न छूटे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजातीय वर्ग के सभी हितग्राहियों को पक्का आवास प्रदान करें। कोई भी हितग्राही आवास पाने से वंचित न रहे। किन्हीं भी कारणों से आवास पाने से छूट गये पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना की पात्रतानुसार सबको पक्के घर की सौगात दी जाये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उन्होंने अभियान के मैदानी क्रियान्वयन से जुड़े सभी विभागीय अधिकारियों को अभियान तहत गांव और हितग्राही चयन का काम पूरा कर तय कार्य योजना एवं मापदंडों के अनुसार लक्षित क्षेत्रों में विकास कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अभियान जनजातीय समुदाय के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा। उन्होंने अधिकारियों को अभियान में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और आधारभूत संरचना से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नवकरणीय ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव, अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे, अपर मुख्य सचिव उर्जा श्री नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि शमी, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य श्री गुलशन बामरा, सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े, आयुक्त जनजातीय कार्य श्रीमन शुक्ल सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियान की अब तक की प्रारंभिक प्रगति एवं केन्द्र सरकार को अभियान के संदर्भ में भेजे गये विकास प्रस्तावों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने जनजातीय गांवों, बसाहटों, मजरों टोलों में जरूरत वाले विकास कार्यों में गति लाने ठोस रणनीति बनाने पर जोर दिया।

मध्य प्रदेश में पहली बार 7 शहरों में पारा 40° के पार

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर-उज्जैन में भी तापमान में वृद्धि, अगले 2 दिन थोड़ी राहत

भोपाल/इन्दौर। मध्य प्रदेश में इस सीजन के दौरान पहली बार 7 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री से ऊपर पहुंचा है। बुधवार को नर्मदापुरम, रतलाम, बड़वानी, नौगांव, शिवपुरी, गुना और दमोह में पारा बढ़ा, जबकि भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और उज्जैन में भी गर्मी का असर था। मौसम विभाग ने 28 और 29 मार्च को राहत मिलने की संभावना जताई है, जिससे थोड़ी ठंडी हवा और राहत मिल सकती है।

प्रमुख शहरों के तापमान का अनुमान

शहर	न्यूनतम (°C)	अधिकतम (°C)
जयपुर	23	35
भोपाल	21	39
इंदौर	22	36
रायपुर	24	39
रांची	20	35
पटना	22	36
लखनऊ	20	39
दिल्ली	19	38

इंदौर में क्रिकेट का उत्साह महिला वर्ल्ड कप के मैच होंगे

इंदौर। इंदौर में आईपीएल के मैच न सही, लेकिन क्रिकेट प्रेमियों के लिए खुशखबरी है। 29 सितंबर से शुरू हो रहे आईसीसी विमेंस वर्ल्ड कप में इंदौर को मैच hosting का मौका मिला है। इस बार भारत महिला वर्ल्ड कप की मेज़बानी कर रहा है, और इंदौर में भी कुछ मुकाबले खेले जाएंगे।

इंदौर के अलावा रायपुर, विशाखापट्टनम, मोहाली और तिरुवनंतपुरम में भी मैच होंगे, लेकिन अभी यह तय नहीं है कि इंदौर में कितने मैच होंगे और कौन-कौन सी टीमें यहां भिड़ेंगी। शेड्यूल जल्द ही जारी किया जाएगा।

ओलंपिक 2036 : भारत को पेरिस ओलंपिक से दोगुना खर्च करना पड़ेगा मेज़बानी के लिए

नई दिल्ली। भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेज़बानी के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने में जुटा हुआ है। भारतीय ओलंपिक संघ ने पिछले साल अक्टूबर में आधिकारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को एक पत्र भेजकर 2036 में ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेज़बानी के लिए अपनी रुचि जताई थी। अब एक नई रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें बताया गया है कि भारत को इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेज़बानी में 34,700 करोड़ रुपये से लेकर 64,000 करोड़ रुपये तक का खर्चा आ सकता है। इस हफ्ते गांधीनगर में उच्च स्तरीय समन्वय समिति द्वारा आयोजित बैठक में 'समीक्षा बैठक- अहमदाबाद 2036 के लिए तैयारी' शीर्षक से एक दस्तावेज़ प्रस्तुत किया गया, जिसमें भारत के संकल्प को दोहराया गया है कि वह 2036 ओलंपिक की मेज़बानी के लिए तैयार है।

मार्च में अवकाश के दिनों में भी खुलेंगे बिजली बिल भुगतान केन्द्र

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्य क्षेत्र में 29 मार्च शनिवार, 30 मार्च रविवार व 31 मार्च ईद-उल-फितर को बिल भुगतान केन्द्र सामान्य दिवसों की तरह कार्य करते रहेंगे। भोपाल शहर वृत्त के अंतर्गत चारों शहर संभाग यथा पश्चिम, पूर्व, दक्षिण तथा उत्तर संभाग के अंतर्गत सभी जोनल कार्यालय और दानिश नगर, मिसरोद, मण्डीदीप में बिल भुगतान केन्द्र उक्त अवकाश के दिनों में भी सामान्य कार्य दिवस की तरह खुले रहेंगे। बिजली उपभोक्ताओं से अपील है कि वे राजधानी के जोनल ऑफिस में पीओएस मशीन से कैश के जरिए बिल भुगतान तथा ऑनलाइन माध्यम से भी बिल भुगतान कर सकते हैं।

अस्पतालों की मनमानी पर होगी नकेल

केंद्र सरकार ला रही है नया नियम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अब देशभर के अस्पतालों, नर्सिंग होम्स और जांच केंद्रों में बिलिंग प्रक्रिया को पारदर्शी और समान बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। इसके लिए सरकार जल्द ही एक मानकीकृत बिलिंग प्रारूप पेश करने वाली है, जिसे सभी स्वास्थ्य संस्थानों के लिए लागू किया जाएगा।

इस नए नियम के तहत इलाज के सभी खर्चों का स्पष्ट और विस्तृत विवरण देना अनिवार्य होगा। इसका मुख्य उद्देश्य अस्पतालों द्वारा बिलिंग में की जाने वाली गड़बड़ियों और मनमानी पर काबू पाना है। संबंधित सूत्रों के अनुसार, भारतीय मानक ब्यूरो और स्वास्थ्य मंत्रालय मिलकर इस नए बिलिंग प्रारूप पर काम कर रहे हैं। बीआईएस ने इस प्रक्रिया की शुरुआत पिछले साल की थी, और इस दौरान स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों, मरीजों के संगठनों और अन्य संबंधित पक्षों से विचार-विमर्श किया गया है। इस नए बिलिंग प्रारूप में जोड़े जाने वाले अनिवार्य और वैकल्पिक खर्चों की सूची भी तैयार की जाएगी, ताकि मरीजों को यह स्पष्ट हो सके कि उनके खर्च का पैसा कहां और कैसे खर्च हुआ। इस नए बिलिंग प्रारूप के लागू होने से मरीजों को कई तरह के लाभ होंगे। सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि वे अपने बिल के हर हिस्से को समझ सकेंगे।

हमेशा सही के साथ खड़े रहो, भले ही अकेला क्यों ना रहना पड़े!

संपादकीय

गर्मी में शहर का गिरता जल स्तर, एक गंभीर चिंता

इन्दौर, मध्य प्रदेश का प्रमुख और व्यावसायिक केंद्र, गर्मी के मौसम में जल संकट का सामना कर रहा है। हर वर्ष गर्मी में इन्दौर का जल स्तर गिरता जा रहा है, जो न केवल शहर के निवासियों के लिए चिंता का विषय बन गया है, बल्कि पूरे क्षेत्रीय पर्यावरण पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ रहा है। यह स्थिति न केवल इन्दौर के जलस्रोतों की घटती क्षमता को दर्शाती है, बल्कि यह भी संकेत देती है कि जल प्रबंधन में सुधार की सख्त आवश्यकता है।

चेतन गन्धे
9893157809
सम्पादक

गर्मी के महीनों में इन्दौर में जल संकट और भी गहरा जाता है। शहर में उपयोग होने वाले जलस्रोतों जैसे बोरवेल, तालाब, नदी और झीलें, सभी का जल स्तर गिरता जा रहा है। इनमें से अधिकांश जलस्रोत सूखने की कगार पर हैं, और पानी की भारी कमी के कारण लोगों को पानी के लिए घंटों तक इंतजार करना पड़ता है। गर्मी के दौरान बढ़ती पानी की मांग और घटते जलस्रोत एक गंभीर संकट उत्पन्न कर रहे हैं।

इस समस्या के कई कारण हैं। एक तो यह कि शहर में जल संरक्षण के प्रयासों की कमी रही है। दूसरी ओर, अनियंत्रित शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन ने भी स्थिति को और जटिल बना दिया है। इन्दौर जैसे शहरों में तेजी से बढ़ती जनसंख्या और असमर्थ जल प्रबंधन योजनाएं जल स्तर को प्रभावित कर रही हैं। इसके अलावा, लगातार पानी की अत्यधिक खपत और वर्षा की कमी से भी जल स्रोतों का पुनर्भरण नहीं हो पा रहा है।

जल स्तर गिरने के कारण-

वर्षा की कमी- गर्मी के मौसम में बारिश की कमी से जलस्रोतों का पुनर्भरण नहीं हो पाता। यह स्थिति इन्दौर जैसे शहरी क्षेत्रों में और भी अधिक गंभीर हो जाती है, जहां जलाशयों का आकार सीमित है और वर्षा पर निर्भरता अधिक होती है।

अत्यधिक जल उपयोग- बढ़ती जनसंख्या के साथ-साथ, घरेलू, व्यावसायिक और औद्योगिक उपयोग के कारण पानी की अत्यधिक मांग हो रही है। बोरवेल्स का अधिक उपयोग भी जल स्तर को प्रभावित कर रहा है।

जलसंरक्षण की कमी- इन्दौर में जलसंचय की योजना और जल संरक्षण के उपायों की कमी के कारण पानी की बर्बादी हो रही है।

समाधान-

वर्षा जल संचयन- इन्दौर में वर्षा जल संचयन के प्रयासों को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। हर घर, इमारत और सार्वजनिक स्थान पर वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करने से पानी का पुनर्चक्रण और भंडारण किया जा सकता है।

जल संरक्षण अभियानों का विस्तार- जन जागरूकता बढ़ाने के लिए जल संरक्षण पर व्यापक अभियानों की आवश्यकता है। लोगों को जल की महत्ता समझाना और इसे बचाने के उपायों को लागू करना चाहिए।

प्राकृतिक जलस्रोतों का संरक्षण- तालाबों, झीलों और नदियों के संरक्षण के लिए स्थानीय प्रशासन को सक्रिय कदम उठाने होंगे। इन जलस्रोतों को पुनर्जीवित करने और साफ-सफाई पर ध्यान देना चाहिए, ताकि उनका जलस्तर बन सके।

सतत शहरीकरण और जल प्रबंधन- शहरीकरण की गति को नियंत्रित करना और पानी के उपयोग को अधिक प्रभावी तरीके से प्रबंधित करना होगा। साथ ही, जल पुनर्चक्रण प्रणाली को अपनाना चाहिए।

30 मार्च से विक्रम संवत 2082 की शुरुआत

जानिए किस राशि के लिए कैसा रहेगा हिंदू नववर्ष

♦इंदौर, सोने की कलम।

इस वर्ष विक्रम संवत 2082 की शुरुआत 30 मार्च को चैत्र प्रतिपदा के दिन होगी। इस परिवर्तन के साथ न केवल हिंदू नववर्ष के राजा-मंत्री की स्थिति बदलेगी, बल्कि अन्य ग्रहों की स्थिति भी बदलने वाली है।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, ग्रहों का यह परिवर्तन विभिन्न राशियों के जातकों पर अलग-अलग प्रभाव डालेगा। शहर में नववर्ष का स्वागत सूर्य को अर्घ्य देकर किया जाएगा। ज्योतिषविद् के अनुसार, नववर्ष का राजा और मंत्री दोनों ही ग्रह सूर्य होंगे। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन सृष्टि का आरंभ हुआ था। ग्रहों की स्थिति के अनुसार, यह वर्ष उन्नति और समृद्धि का संकेत देता है।

इस वर्ष के मौसम की बात करें तो तीव्र गर्मी का सामना करना पड़ेगा। चंद्रमा के प्रभाव से भूमि, भवन, शिक्षा, और सोने के दामों में वृद्धि होने की संभावना है।

नववर्ष का प्रभाव राशियों पर-

मेष- स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और मानसिक दबाव हो सकते हैं। अविवाहितों को विवाह के अवसर प्राप्त होंगे।

वृषभ- उत्तम स्वास्थ्य, भौतिक सुख-साधनों में वृद्धि, और पारिवारिक मांगलिक कार्यों के योग बनेंगे। पैतृक संपत्ति के मामले में समाधान होगा।

मिथुन- स्वास्थ्य तो अच्छा रहेगा, लेकिन मानसिक चिंता और डर परेशान कर सकते हैं। दांपत्य सुख में वृद्धि होगी।

कर्क- भाग्य का साथ कम मिलने से छात्रों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी।

सिंह- स्वास्थ्य के साथ मानसिक कष्ट भी हो सकता है। व्यापार में हानि के योग हैं, और दांपत्य जीवन में कमी रहेगी।

कन्या-अस्थि, उदर और नेत्र रोग हो सकते हैं। यह वर्ष सामान्य रहेगा।

तुला- शत्रु पक्ष कमजोर होगा और न्यायिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में लाभकारी स्थानांतरण के योग हैं।

वृश्चिक- इस राशि के जातकों पर ढैया का प्रभाव समाप्त हो जाएगा। मनोबल में वृद्धि और परिवार में सुख की स्थिति बनेगी।

धनु- चिकित्सा और दवाई विक्रय से जुड़े व्यक्तियों के लिए यह वर्ष लाभकारी रहेगा, हालांकि यह मिश्रित फलदायी होगा।

मकर- सामान्य सफलता के साथ न्यायालय संबंधी कार्यों में सफलता मिलेगी।

कुंभ- शनि के वक्री और मार्गी होने से चुनौतियों के बावजूद शुभता बनी रहेगी।

मीन- भूमि और भवन संबंधी विवाद परेशान कर सकते हैं। नौकरी में स्थानांतरण से परेशानी बढ़ सकती है।

गुड़ी पड़वा उत्सवः

हिंदू नववर्ष के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा होगी। संस्कार भारती जिला इंदौर, लोक संस्कृति मंच, और नगर निगम इंदौर के सहयोग से 30 मार्च को सुबह 5-30 बजे से कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। संयोजक शंकर लालवानी ने बताया कि कार्यक्रम में सबसे पहले दीप प्रज्वलन होगा, फिर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उगते सूरज को अर्घ्य दिया जाएगा और निंबोली प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

कलेक्टर की अध्यक्षता में अग्नि सुरक्षा के लिए बैठक हुई आयोजित

♦**इंदौर, सोने की कलम।**

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इंदौर शहर में विशेष तौर पर रहवासी इलाकों में अग्नि सुरक्षा के संदर्भ में संबंधित विभागों की बैठक ली और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि शहर के अलग-अलग हिस्सों में फ़ायर स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। आठ सब फायर स्टेशन बनाए जाएंगे, जिससे कि पूरे शहर को कवर किया जाएगा। इसके साथ-साथ ख़ास तौर पर जी प्लस थ्री से ऊपर के जो भवन हैं और जो हॉस्पिटल, बहुमंजिला रहवासी भवन, मॉल एवं कमर्शियल भवन, सिनेमा भवन, हॉस्टल, होटल, स्कूल हैं, इनके ऊपर विशेष फ़ोकस करेंगे और उसमें जो बेसिक आवश्यकता है उसे पूरा कराएंगे। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि अग्निशमन की चेकिंग के लिए एक विशेष अभियान कल से चलाया जाएगा। बैठक में आयुक्त नगर निगम श्री शिवम वर्मा, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, डीआईजी श्री अमित सिंह, अपर आयुक्त नगर निगम श्री रोहित सिसोनिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि इंदौर में नेमावर रोड, सुपर कॉरिडोर, विजय नगर, स्टार चौराहा, धार रोड आदि स्थानों पर सब फायर स्टेशन स्थापित किये जाएंगे। इन सब स्टेशनों में नये फायर वाहन एवं अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराये जाएंगे। फायर रोबोट, ड्रोन कैमरे एवं फायरकर्मी को फायर सुरक्षा किट प्रदाय किये जा रहे हैं। बताया गया कि आधुनिक फायर वाहनों एवं संसाधनों के क्रय हेतु शासन से आवश्यक बजट आवंटन हेतु मांग की गई है। फायर रिस्पॉन्स टाईम कम करने हेतु विशेष योजना बनाई जा रही है।

कलेक्टर श्री सिंह ने जिले के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि जी प्लस थ्री से ऊपर के भवनों में आवश्यक सुरक्षा के उपाय अवश्य करें। यदि जाँच के दौरान सुरक्षा के उचित प्रबंध नहीं पाये जाते हैं तो ऐसे भवनों को सील करने की कार्रवाई भी की जायेगी। बैठक में नगर निगम, फ़ायर ब्रिगेड, राजस्व विभाग सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

इंदौर एयरपोर्ट पर समर सीजन से नई उड़ान सेवाओं की शुरुआत

♦इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट पर समर सीजन के शुरू होते ही, अगले कुछ दिनों में कई प्रमुख शहरों के लिए सीधी उड़ानें शुरू होने वाली हैं। ये उड़ानें रायपुर, जबलपुर, गोवा, पुणे, भुवनेश्वर जैसे शहरों के लिए उपलब्ध होंगी। एयरलाइंस कंपनियों ने इन उड़ानों की घोषणा करते हुए बुकिंग शुरू कर दी है। 30 मार्च से रायपुर, जबलपुर और पुणे के लिए सीधी उड़ानें शुरू हो जाएंगी।

इन उड़ानों के शुरू होने के बाद रायपुर और जबलपुर के लिए दो-दो उड़ानों की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके साथ ही रायपुर से 31 मार्च से विशाखापटनम के लिए भी उड़ान शुरू होगी। इस उड़ान में इंदौर से उड़ान भरकर, रायपुर में यात्रियों को छोड़ने के बाद सीधे विशाखापटनम पहुंचेगी।

नार्थ गोवा के नए एयरपोर्ट के लिए भी फ्लाइट सेवा शुरू होगी

इंदौर एयरपोर्ट से फिलहाल रोजाना 92 से 98 उड़ानें संचालित हो रही हैं, और समर सीजन में इस संख्या में वृद्धि होने की संभावना है। एयर इंडिया एक्सप्रेस 15 अप्रैल से नार्थ गोवा के नए एयरपोर्ट के लिए भी सीधी उड़ान सेवा शुरू करेगी।

एयर इंडिया पुणे के लिए भी शुरू करेगी उड़ान

एयर इंडिया एक्सप्रेस पुणे के लिए भी सीधी उड़ान सेवा शुरू करेगी। यह उड़ान दिल्ली से इंदौर होते हुए पुणे जाएगी, लेकिन पुणे से इसका कोई वापसी मार्ग नहीं होगा। ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के एमपीसीजी अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह जादौन के मुताबिक, समर सीजन में नई उड़ान सेवाओं से यात्रियों को कई सुविधाएं मिलेंगी।

गोवा के नार्थ और साउथ दोनों एयरपोर्टों के लिए अब उड़ानें

नार्थ गोवा में मनोहर पर्रिकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लिए सीधी उड़ान शुरू होने से इंदौर के यात्रियों के लिए नार्थ गोवा पहुंचने का एक और विकल्प मिलेगा। पहले साउथ गोवा एयरपोर्ट से नार्थ गोवा आने के लिए अतिरिक्त समय और यात्रा करनी पड़ती थी, अब दोनों एयरपोर्टों के लिए इंदौर से उड़ानें उपलब्ध होंगी।

जबलपुर और रायपुर के लिए भी दो उड़ानें

ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सचिव अमित नवलानी ने बताया कि नई उड़ानें शुरू होने से अब जबलपुर के लिए दो उड़ानें उपलब्ध होंगी। एक सुबह की और दूसरी दोपहर की उड़ान। रायपुर के लिए भी दो उड़ानें मिलेंगी, और 31 मार्च से रायपुर के माध्यम से विशाखापटनम तक कनेक्टिविटी शुरू हो जाएगी।

यह रहेगा शेड्यूल

30 मार्च से- जबलपुर-इंदौर- 6E 7327, जबलपुर से 12:10 बजे, इंदौर 1:30 बजे।

इंदौर-जबलपुर- 6E 7328, इंदौर से 1:55 बजे, जबलपुर 3:20 बजे।

दिल्ली-इंदौर- IX 1117, दिल्ली से 1:30 बजे, इंदौर 3:20 बजे।

इंदौर-पुणे- IX 1118, इंदौर से 4:00 बजे, पुणे 5:25 बजे।

31 मार्च से-

इंदौर-रायपुर-विशाखापटनम- 6E 7295, इंदौर से 6:35 बजे, रायपुर 8:30 बजे, विशाखापटनम 10:20 बजे।

विशाखापटनम-रायपुर-इंदौर- 6E 7296, विशाखापटनम से 11:00 बजे, रायपुर 12:30 बजे, इंदौर 2:45 बजे।

15 अप्रैल से-

गोवा-इंदौर- IX 2761, गोवा से 10:05 बजे, इंदौर 11:45 बजे।

इंदौर-गोवा- IX 2762, इंदौर से 12:10 बजे, गोवा 1:45 बजे।

मंत्री श्री सिलावट ने सांवेर माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना के कार्यों का किया शुभारंभ

सांवेर विधानसभा क्षेत्र में सिंचाई की सुनहरी शुरुआत

♦इंदौर, सोने की कलम।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने सांवेर माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का तीन स्थानों पर कार्यों का शुभारंभ किया। 3046.99 करोड़ रूपये की इस परियोजना में सांवेर विधानसभा क्षेत्र के 189 गांवों को सिंचाई के लिए खेतों में पानी मिलेगा। ग्राम कम्पेल, पिवडाय एवं पीपल्दा में कार्य शुभारंभ कार्यक्रम के अवसर पर मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में चहुंओर विकास के कार्य हो रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश के हर एक किसान के खेत तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचाने के लिये कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नर्मदा मैया मध्यप्रदेश ही नहीं राष्ट्र का गौरव है। हमारे राष्ट्र की आत्मा हमारे गाँव में बसती है। जल है तो कल है, जल है तो जीवन है। उन्होंने कहा कि यह अहिल्या माता का प्रताप है, जो उसी की बुनियाद पर नर्मदा का जल हर खेत को मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान राऊ विधायक श्री मधु वर्मा, पूर्व विधायक श्री जीतू जिराती, श्री देवराज सिंह परिहार, श्री रवि रावलिया, जनपद अध्यक्ष श्री विश्वजीत सिंह सिसोदिया, श्री वीनू चौधरी, श्री मुरली व्यास, जिला पंचायत सदस्य श्री रामेश्वर चौहान, श्री ब्रजमोहन राठी सहित अन्य उपस्थित थे। श्री सिलावट ने बताया कि इस परियोजना से पिवडाय में 1222 हेक्टेयर, कंपेल में 2136 हेक्टेयर तथा पीपल्दा में 1100 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी। आगामी दो वर्षों में इस परियोजना का कार्य पूर्ण कराया जाकर किसानों को सिंचाई के लिए जल उपलब्ध करने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना से सिंचाई के लिए 226 ग्राम लाभान्वित होंगे, जिसमें इंदौर जिले की खुड़ेल तहसील के 46 गांव, कनाडिया तहसील के 26 और सांवेर तहसील के 80 ग्रामों के किसानों के खेतों में पानी पहुँचेगा और यहां के किसान लाभान्वित होंगे।

मास्टर प्लान की अपूर्ण 8 सड़कों का निर्माण और अन्य विकास कार्य शीघ्र प्रारंभ होंगे

♦इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर शहर की मास्टर प्लान की अपूर्ण/अप्रारंभ 8 सड़कों का निर्माण और अन्य विकास कार्य शीघ्र प्रारंभ होंगे। इन सड़कों का निर्माण और विकास कार्य स्मार्ट सिटी के माध्यम से कराया जायेगा।

यह जानकारी आज यहां कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी स्मार्ट सिटी की बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक में दी गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, श्री नयन पारीख, डॉ. तृप्ति जैन सहित अन्य सदस्य तथा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि शहर हित में मास्टर प्लान की अपूर्ण/अप्रारंभ 8 सड़कों का निर्माण अत्यंत जरूरी है। इसको देखते हुए इनका निर्माण शीघ्र ही स्मार्ट सिटी के माध्यम से कराया जायेगा। बताया गया कि इन सड़कों में एमआर-5 रोड़ इंदौर वायर फैक्ट्री से बड़ा बांगड़दा तक, एमआर-5 रोड इंदौर वायर फैक्ट्री से सुपर कॉरिडोर तक स्टार्म वाटर लाईन डालने का कार्य, नेमावर रोड-पालदा तिराहा से आरई-2 आईएसबीटी होते हुए बायपास तक मास्टर प्लान सड़क का विकास कार्य, एमआर-9 रोबोट चौराहा से बायपास एवं अनूप टॉकीज के पास सड़क विकास कार्य, धार रोड चंदन नगर चौराहे से एयरपोर्ट रोड तक सड़क विकास कार्य, एमआर-3 पिपल्यापाला रीजनल पार्क से बायपास तक सड़क का विकास कार्य, नायता मुण्डला से एमआर-10 तक आरई-2 का शेष भाग (इंदौर विकास प्राधिकरण एवं नगर निगम द्वारा) किये जा रहे कार्य को छोड़कर तथा एमआर-6 रिंग रोड से महू नाका रोड तक सड़क का विकास कार्य शामिल है। बैठक में निर्देश दिये गये कि इन सड़कों का निर्माण जल्द ही प्रारंभ किया जाये। सड़कों में आने वाली बाधाओं को भी चिन्हित कर इनके निराकरण की समुचित व्यवस्था भी कर ली जाये। बैठक में स्मार्ट सिटी के अन्य प्रगतिरत कार्यों की भी समीक्षा की गई।

भीषण गर्मी में लू (तापघात) से बचाव हेतु जन समुदाय के लिये की जायें आवश्यक व्यवस्थाएं- संभागायुक्त

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक सम्पन्न

◆इंदौर, सोने की कलम।

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में आज संभागायुक्त कार्यालय में जन समुदाय को लू के प्रकोप के बचाव हेतु संभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने ग्रीष्म ऋतु में लू (तापघात) के प्रकोप से बचाव हेतु जिला आपदा प्रबंधन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा की। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि ग्रीष्म ऋतु के आगामी महीनों में तापमान औसत से अधिक रहने की संभावना है। इस कारण संभाग के अधिकांश भागों में लू (तापघात) की स्थिति हो सकती है। इसके लिए अभी से कार्ययोजना बनाकर तैयारी करें। सभी कार्य समय सीमा में पारदर्शिता, ईमानदारी और गुणवत्ता के साथ मानवीय संवेदना के साथ पूरा करें।

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने कहा है कि संभाग के प्रत्येक जिलों में प्याऊ बनाये जाये। विशेषकर जिला अस्पताल, बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन, मुख्य बाजार और चौराहों पर प्याऊ की व्यवस्था की जाये। यह कार्य शीघ्र किया जाये। सभी शासकीय स्कूलों, कॉलेजों, छात्रावास, अस्पताल तथा पंचायत आदि स्थानों पर पेयजल के साथ गर्मी से बचाव हेतु छायादार स्थानों की व्यवस्था की जाये। पानी के स्त्रोंतों को पुनर्जीवित किया जाये। विशेषकर हैंडपंपों का संधारण किया जाये। भीषण गर्मी का प्रभाव मनुष्यों पर ही नहीं अपितु पशु-पक्षियों पर भी पड़ता है, इसलिये उनके लिये भी उचित प्रबंधन किया जाये। उनके लिये पर्याप्त बैठने, छाया सहित पीने के लिए पानी की व्यवस्था की जाये। गौशालाओं पर भी ध्यान दिया जाये। गर्मी के मौसम में कृषक वर्ग नरवाई नहीं जलायें।

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने कहा कि भीषण गर्मी में लू से बचाव हेतु हमें होमगार्ड्स, सिविल डिफेंस आदि के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाया जाना चाहिये ताकि आपात स्थिति में उनका सहयोग मिल सकें।

श्री सिंह ने कहा कि सभी जनजाति वर्ग के बच्चों के शेष रहे कार्यों में आधार कार्ड, समग्र आईडी आदि बनाने की गति में तेजी लाये। श्रम विभाग द्वारा चलाई जा रही संबल योजना में लापरवाही बरतने पर संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि इस तरह की अनुशासनहीनता पर श्रम अधिकारी के साथ-साथ जनपद अधिकारियों पर भी कार्रवाई की जायेगी। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने समयसीमा के प्रकरणों की सीएम हेल्पलाइन और उपार्जन पर भी चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में जिन प्रकरणों का निपटारा नहीं हो सका उन्हें त्वरित गति से पूरा करें। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की प्रगति में गति लाये जाये।

बैठक में अपर आयुक्त श्री तरूण भटनागर, संयुक्त आयुक्त श्री डी.एस. राणादा, उपायुक्त श्रीमती शैली कनास, सहायक आयुक्त लिटिगेशन श्रीमती रेखा सचदेवा, उच्च शिक्षा विभाग की अतिरिक्त संचालक श्रीमती किरण सलूजा, उपायुक्त आदिवासी विकास श्री ब्रजेश पांडे, लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता श्री सी.एस. खरत, जेडीए श्री आलोक मीणा, स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक श्री अरविंद सिंह, सहकारिता विभाग के उपायुक्त श्री के.के. जमरे, स्वास्थ्य विभाग के संभागीय संचालक डॉ. जोसेफ सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी अपने सुझाव दिये।

स्ट्रीट डॉग की संख्या को नियंत्रित करने के लिये विशेष अभियान

इन्दौर। इंदौर शहर में स्ट्रीट डॉग की संख्या को नियंत्रित करने के लिये 6 माह का विशेष अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान के तहत समयबद्ध रूप से सुनियोजित कार्ययोजना तैयार कर कार्य किये जाएंगे। प्रतिदिन का लक्ष्य तय कर स्ट्रीट डॉग की नसबंदी करने सहित अन्य उपाय किये जाएंगे। इस अभियान में नगर निगम, पशु पालन एवं पशु चिकित्सा विभाग, एनजीओ एवं नागरिकों की भी सहभागिता सुनिश्चित की जायेगी।

यह जानकारी आज यहां कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा ली गई बैठक में दी गई। बैठक में अभियान की कार्ययोजना की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा , स्मार्ट ??सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिये कि मानव जीवन की सुरक्षा को देखते हुए इस अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाये। यह तय किया जाये कि अभियान के प्रभावी परिणाम आगामी 6 माह में ही दिखायी देने लगे। अभियान के तहत सभी अधिकारी पूरी लगन और कर्मठता के साथ कार्य करें। प्रतिदिन का लक्ष्य तय कर स्ट्रीट डॉग की नसबंदी की जाये। बताया गया कि अभी वर्तमान में 25 से 30 स्ट्रीट डॉग की नसबंदी प्रतिदिन हो रही है। बैठक में लक्ष्य तय किया गया कि आगामी दो से तीन दिन पश्चात प्रतिदिन न्यूनतम 75 स्ट्रीट डॉग की नसबंदी की जायेगी। यह अभियान सप्ताह के सातों दिन लगातार चलेगा। अभियान में पशु चिकित्सा विभाग के चिकित्सकों की भी विशेष मदद ली जायेगी। स्ट्रीट डॉग को पकड़ने के लिये वाहनों की संख्या भी बढ़ाई जायेगी। साथ ही अन्य संसाधन और सुविधाएं भी बढ़ायी जाएंगी। अभियान 6 माह तक लगातार चलेगा।

बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि इंदौर में स्ट्रीट डॉग की समस्या को देखते हुए नियंत्रण की अत्यंत आवश्यकता है। इसको देखते हुए भिक्षावृत्ति मुक्त इंदौर अभियान की तर्ज पर स्ट्रीट डॉग नियंत्रण के लिये योजनाबद्ध रूप से अभियान चलाया जायेगा। यह अभियान नगर निगम और पशुपालन तथा पशु चिकित्सा विभाग तथा अन्य संबंधित संस्थाओं के सहयोग से संचालित होगा। इसके लिये विस्तृत कार्ययोजना बनाकर स्ट्रीट डॉग की नियंत्रण की कार्रवाई की जायेगी।

स्मार्ट मीटरीकरण में सहयोगी बनी बिजली कंपनी की NABL

◆इंदौर, सोने की कलम।

बिजली वितरण की सटीक गणना में मीटरों का महत्वपूर्ण योगदान होता हैं, वर्तमान में डिजिटल इंडिया अभियान को गति देते हुए पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्मार्ट मीटरीकरण परियोजना का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही हैं। स्मार्ट मीटरीकरण को गुणवत्तापूर्ण एवं सटीक गणना से युक्त लागू करने के लिए बिजली कंपनी ने पोलो ग्राउंड इंदौर और उज्जैन में अत्याधुनिक तरीके की से नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कॉलिब्रेशन लेबोरेटरी की क्षमता बढ़ाकर अब 3000 मीटर से ज्यादा प्रतिदिन की गई है। इसके अलावा अन्य जिलों, सर्कल में भी अत्याधुनिक तरीके की लेब से मीटर परीक्षण कार्य चल रहा हैं। बिजली कंपनी मुख्यालय पोलोग्राउंड इंदौर, उज्जैन व अन्य जिलों में मिलाकर दैनिक पांच हजार से ज्यादा एवं माह में डेढ़ से पौने दो लाख मीटरों की टेस्टिंग की जा रही हैं। इससे स्मार्ट मीटरीकरण को भी व्यापक रूप से गति मिल रही हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि कंपनी प्रत्येक मीटर का पहले अपनी लेब में टेस्ट करती हैं, इसके बाद फील्ड में लगाने का कार्य किया जाता हैं। मीटर निर्माता के बाद कंपनी की लेब में दुबारा परीक्षण से मीटरीकरण कार्य गुणवत्ता से होने के साथ ही उपभोक्ता संतुष्टि की दिशा में भी सकारात्मकता देखने को मिल रही हैं। श्री सिंह ने बताया कि वर्तमान में इंदौर सहित अन्य स्थानों पर तेजी से स्मार्ट मीटरीकरण में इन अत्याधुनिक मीटर टेस्टिंग लेब का योगदान अहम हैं। सभी लेब में पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रशिक्षित इंजीनियर सेवाएं देते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक चेतन गन्धे के लिए चेतन ग्राफिक्स, 135, नगर निगम मार्केट, सुभाष मार्ग, वीआईपी स्टेशनरी के सामने, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 109, बाणगंगा मेनरोड़, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक: चेतन गन्धे, मो. : 9893157809 Email : sonekikalam@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा।)